मेरठ और दिल्ली से सिग्नल फ्री सड़कों से जुड़ेगा जेवर एयरपोर्ट

तैयार हो रही मेट्रो से जोड़ने की डीपीआर, खुर्जा तक रैपिड रेल : डॉ. महेश शर्मा

Vinod.Sharma1
@timesgroup.com

■ **नोएडा :** जेवर में इंटरनैशनल एयरपोर्ट को राष्ट्र व प्रदेश के हित में जरूरी बताते हुए केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री व गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा का कहना है कि यह एक महत्वपूर्ण प्रॉजेक्ट है। इसके शुरू होने के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल जाएगी। डॉ. महेश शर्मा के अनुसार एयरपोर्ट के लिए एनसीआर में जेवर से बेहतर कोई स्थान नहीं है। इस प्रॉजेक्ट के पूरा होने के बाद नोएडा-ग्रेटर नोएडा में ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों में भी लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा

जेवर एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण में आ रही अड़चनों के बीच डॉ. महेश शर्मा ने एनबीटी से कहा कि यह इस क्षेत्र का सौभाग्य है कि देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट यहां बनने जा रहा है। यह एयरपोर्ट 5 हजार एकड़ में बन रहा है, जबकि दिल्ली एयरपोर्ट 2066 और मुंबई एयरपोर्ट 1400 एकड़ में बना हुआ है। यहां पैसेंजर्स के साथ-साथ कार्गो और एमआरओ (मेंटिनेंस रिपेयर एंड ओवरहाल) इंडस्ट्री से भी रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। यहां होटल, वेयर हाउस, टूरिजम इंडस्ट्री चमकेगी।

डॉ. महेश शर्मा

किसानों को अपनी जल्द पकने वाली फसल के लिए बेहतर और आधुनिक मंडी भी यहीं मिलेगी। इस एयरपोर्ट को मेरठ और दिल्ली से सिग्नल फ्री सड़कों से जोड़ा जाएगा। मेट्रो से कनेक्टिविटी की डीपीआर तैयार हो रही है। खुर्जा तक रैपिड रेल का कॉरिडोर बनाने की योजना है।

दिल्ली का ट्रैफिक प्रेशर कम करेगा

डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि यह एयरपोर्ट इसलिए भी जरूरी है कि दिल्ली में एयरपोर्ट पर ट्रैफिक का प्रेशर है। लोगों को आसमान में वेटिंग करनी पड़ती है। इसके बन जाने के बाद यह प्रेशर कम होगा। आगरा, अलीगढ़, बुलंदशहर, गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, मेरठ, बागपत के साथ-साथ हरियाणा और राजस्थान के शहरों के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा नजदीक मिलने लगेगी।

किसानों का हित सबसे ऊपर

क्षेत्रीय सांसद ने बताया कि जब 2015 में अखिलेश सरकार ने दयानतपुर और रन्हेरा में अधिग्रहण किया था तब जमीन की कीमत पांच से छह लाख रुपये प्रति बीघा थी। अब यही बढ़कर 23 लाख रुपये तक पहुंच गई है। जब एयरपोर्ट बन जाएगा तो गांवों के आसपास के क्षेत्र चमकेंगे और उन्हें रोजगार और अपने कारोबार के जरिए तरक्की के कई अवसर मिलेंगे। किसानों का हित हमारे लिए सबसे ऊपर है।